भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3405

23 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए

इस्पात और पुनर्चक्रित सामग्रियाँ

3405. श्री बृजेन्द्र सिंह:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि पुनर्चक्रित सामग्री का उपयोग करके उत्पादित इस्पात कम कार्बन उत्सर्जित करता है और यह पर्यावरण के लिए बेहतर है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की योजना देशव्यापी संवहनीयता रैंकिंग के माध्यम से सरकारी और निजी क्षेत्र के इस्पात विनिर्माताओं को पुनः उपयोग या पुनर्चक्रण उपलब्धियों का प्रचार करने की है; और

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)**

(क) से (ग): जी, हां। पुनर्चक्रित सामग्री जैसे कि इस्पात स्क्रैप के प्रयोग से उत्पादित इस्पात काफी कम उत्सर्जन करता है और इसलिए यह बहुत अधिक वांछनीय है। इस्पात संयंत्रों के भीतर उत्पन्न इस्पात स्क्रैप को इस प्रक्रिया में पूरी तरह से पुनर्चक्रित किया जाता है। विभिन्न अंतिम प्रयोग एवं स्रोतों से उत्पन्न इस्पात स्क्रैप को इस्पात उत्पादकों द्वारा उपयोग किए जाने से पहले संगृहीत, पृथक्कृत और नापा जाना होता है।

इस्पात क्षेत्र के लिए इस्पात स्क्रैप की उपलब्धता में वृद्धि करने और पुनर्चक्रण/चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित पहलें शुरू की गई हैं:

- इस्पात मंत्रालय ने विभिन्न स्रोतों से प्राप्त इस्पात स्क्रैप के वैज्ञानिक प्रसंस्करण को सुनिश्चित करने के लिए इस्पात स्क्रैप पुनर्चक्रण नीति को अधिसूचित किया है, ताकि इस्पात उत्पादकों के लिए इस्पात स्क्रैप की अधिक मात्रा उपलब्ध हो।
- उपयोगिता अवधि समाप्त (एंड ऑफ लाइफ) वाहनों के प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने और नए वाहनों की मांग को बढ़ाने हेतु सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने वाहन स्क्रैपेज नीति शुरू की है। नीति के अनुसार, यदि उपयोगिता अवधि समाप्त वाहन उपयुक्तता और उत्सर्जन जांच में सही नहीं पाए जाते हैं, तो उन्हें अनिवार्य रूप से स्क्रैप किया जाना होगा। नीति के तहत स्वचालित टेस्टिंग स्टेशन और स्क्रैपिंग सुविधाओं को चरणबद्ध तरीके से स्थापित किया जाना है।
- महिंद्रा एसेलो और एमएसटीसी लिमिटेड (इस्पात मंत्रालय के अधीन एक पीएसयू) के बीच एक संयुक्त उद्यम, सीईआरओ ने ग्रेटर नोएडा और पूणे में दो वाहन स्क्रैपिंग केन्द्र स्थापित किए हैं।
- इस्पात मंत्रालय देश में इस्पात की खपत को बढ़ाने के लिए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को भी वित्तपोषित कर रहा है। खपत में बढ़ोत्तरी से उपयोगिता अवधि समाप्त इस्पात का स्क्रैप के रूप में ज्यादा उत्पादन होगा और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

****